राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

बजट में होगा दूसरे दौर के सुधारों का आगाज

>> 10

वर्ष 3 अंक 7

दैनिक जागरण

मूल्य ₹5 .00, नई दिल्ली, सोमवार, 17 जून 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

पाक पर भारत की 'क्रिकेट स्ट्राइक'

विश्व कप में दैनिक जागरण

अभिषेक त्रिपाठी • मैनचेस्टर

1992, 1996, 1999, 2003, 2011, 2015 और 2019...ये साल भले ही बदलते गए, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप में होने वाले मुकाबलों का निर्णय नहीं बदला। पिछली छह बार की तरह इस बार भी भारतीय टीम ने उमड़ते-घुमड़ते बादलों के बीच भारतीय दर्शकों से खचाखच भरे ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में पाकिस्तान को डकवर्थ-लुइस नियम के आधार पर 89 रनों से हराकर इस विश्व कप में तीसरी जीत हासिल की। भारत ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया को पराजित किया, जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला बारिश के कारण रद हो गया था। विराट सेना की अगली भिड़ंत अब शनिवार को अफगानिस्तान से होगी।

शानदार जीत

- भारत ने विश्व कप में पाकिस्तान को लगातार सातवीं बार हराया
- रोहित के शतक की बदौलत भारत 89 रनों से जीता

रोहित का जलवा : भारत ने पहले खेलते हुए इस मैदान का और इंग्लैंड में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर बनाया। रोहित ने इस विश्व कप में दूसरा, इंग्लैंड में चौथा और करियर का 24वां शतक बनाया। वह विश्व कप में पाक के खिलाफ शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने। विराट कोहली ने 2015 विश्व कप में पाक के खिलाफ 107 रनों की पारी खेली थी।

हर विभाग शानदार : भारतीय टीम ने पहले रोहित शर्मा के शतक (140) और विराट कोहली (77) व केएल राहुल (57) के अर्धशतकों की बदौलत पांच विकेट पर 336 रन बनाए और उसके बाद पाक को 40 ओवरों में 212/6 पर सीमित कर दिया। पाकिस्तान ने 35 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बना लिए थे, लेकिन तभी बारिश आई और उसके बाद जब मैच शुरू हुआ तो अंपायरों ने उसे डकवर्थ-लुइस नियम के आधार पर 40 ओवरों में 302 रनों का लक्ष्य दिया। पाक को आखिरी 30 गेंदों पर 136 रन बनाने थे, जो वह नहीं बना सकी। भारत की ओर से कुलदीप, हार्दिक और विजय शंकर ने दो-दो विकेट लिए।

रोहित-राहुल की शानदार साझेदारी : पूर्व कप्तान और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की ट्विटर पर दी गई पहले बल्लेबाजी करने की सलाह को दरकिनार करते हुए कप्तान सरफराज अहमद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया। लेकिन भारतीय ओपनरों ने 136 रनों तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया। (विशेष सामग्री पेज-12)

पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते रोहित शर्मा। साथ में हैं कप्तान विराट कोहली • एपी

11,000 रन कोहली के वनडे में पूरे। यह उपलब्धि पाने वाले दुनिया के नौवें और तीसरे भारतीय बने। भारतीयों में सचिन, गांगुली के उनसे ज्यादा रन हैं

17 साल तक कायम रहा सचिन तेंदुलकर का सबसे तेज 11000 वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड

222 पारियों में ये रन बनाए कोहली ने। सबसे कम पारियां खेलीं उन्होंने। अभी तक 276 पारियों के साथ सचिन के नाम था रिकॉर्ड

विश्व कप में पाक के खिलाफ भारत की शतकीय साझेदारी

	मैदान	जोड़ी
2003	सेंचुरियन	सचिन–कैफ
2015	मेलबर्न	शिखर–विराट
2015	मेलबर्न	विराट–रैना
2019	मैनचेस्टर	रोहित–राहुल

विश्व कप में भारत की पाकिस्तान पर सात जीत

- 1992 विश्व कप में तेंदुलकर के नाबाद 54 रनों की मदद से सात विकेट से जीत
- 1996 विश्व कप में क्वार्टर फाइनल में सिद्धू के 93 रनों की बदौलत 39 रनों से विजय
- 1999 विश्व कप में वेंकटेश के पांच विकेट की मदद से 47 रनों की जीत
- 2003 विश्व कप में सचिन के 98 रनों की बदौलत छह विकेट से जीत
- 2011 विश्व कप के सेमीफाइनल में तेंदुलकर के 85 रनों की बदौलत 29 रनों से जीत
- 2015 विश्व कप में विराट (107) के शतक के दम पर 76 रनों की जीत
- 2019 विश्व कप मे रोहित शर्मा (140) के शतक की बदौलत 89 रनों से जीत

लोकतंत्र के प्रहरी

आपातकाल के 44 साल

सत्ता विरोधी जंग में उतर गया था बीएचयू का यह छात्र

वाराणसी : आपातकाल के दौर में डॉ. राममनोहर लोहिया को आदर्श मान उस समय प्रथम वर्ष के छात्र कुंवर सुरेश सिंह सत्ता विरोधी जंग में उतर गए थे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आदेश पर एक उन्होंने पुस्तिका की प्रतियां छपवाकर लोगों में वितरित करवाईं। पुस्तिका में लेख से लोकनायक ने इंदिरा गांधी को चेताया था। • पेज 13

हमारी सरकार

राजनाथ सिंह
केंद्रीय रक्षा मंत्री

देश में नई सरकार ने काम शुरू कर दिया है। विशाल जनादेश से बनी सरकार के सामने अपेक्षाओं का ऊंचा पहाड़ है। ऐसे में प्रधानमंत्री सहित टीम मोदी की कड़ी परीक्षा तय है। 17वीं लोकसभा का पहला सत्र भी शुरू हो चुका है। यही मौका है 'सरकार' को समझने का। सरकार को जानने-समझने के लिए दैनिक जागरण सोमवार से 'हमारी सरकार' सीरीज शुरू कर रहा है। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों को बताते हुए इसका आगाज किया जा रहा है। • पेज 5

सरोकार

ग्वालियर की नसीमा से जानें तालीम के मायने

ग्वालियर : शिंदे कालोनी की नसीमा बेगम ने सही मायने में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'

के नारे को साकार किया है। लोगों के घरों में काम किया, तमाम मुसीबतें झेलीं, लेकिन बेटियों की तालीम से कोई समझौता नहीं किया। पांच-पांच बेटियों को पढ़ा-लिखाकर काबिल बना दिया। (पेज-13)

बिहार में लू से दूसरे दिन 116 की मौत

प्रकृति की मार ▸ लू के कहर से मरने वालों की संख्या 176 हुई

सबसे अधिक मौत मगध और शाहाबाद क्षेत्र में हुईं, 82 की गई जान

जागरण टीम, गया

बिहार में लू ने जैसा कहर बरपाया है वैसा शायद ही पहले कभी देखा-सुना गया हो। दो दिन के भीतर राज्य में लू की चपेट में आकर 176 लोगों की मौत हो गई है। शनिवार को लू से 60 लोगों की जान जाने के बाद रविवार को 116 की मौत लू के कारण हो गई। औरंगाबाद में 35, गया में 28, नवादा 6, भभुआ 2 और सासाराम में 11, पटना में 10, जहानाबाद, छपरा व बक्सर में तीन-तीन, शेखपुरा, नालंदा में दो-दो, आरा, बेगूसराय में एक-एक, पूर्वी चंपारण में दो, सीतामढ़ी और दरभंगा में एक-एक, जमुई में दो, बांका, खगड़िया और लखीसराय में एक-एक की जान गई। इतनी मौतों के बाद गया के विष्णुपद श्मशान में रविवार को 72 लाशें जलाई गईं। डोमराजा ने कहा कि एक दिन में इतनी संख्या पहली बार देख रहे हैं।

300 से अधिक मरीज भर्ती : गया, नवादा और औरंगाबाद के विभिन्न अस्पतालों में तीन सौ से भी ज्यादा मरीज भर्ती हैं। साथ ही नए मरीजों के भर्ती होने का सिलसिला जारी है। गया में रविवार को 28 की जान गई। हालांकि, जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने दो दिनों में 25 की ही पुष्टि की है। औरंगाबाद के जिलाधिकारी राहुल रंजन महिवाल ने रविवार को 30 की जान जाने की पुष्टि की। हालांकि यहां पांच और लोगों के भी मरने की सूचना है, जो अस्पताल नहीं पहुंच सके थे। नवादा में अभी तक छह के मरने की सूचना है। विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 32 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, प्रशासन इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। क्षेत्रीय स्वास्थ्य उप निदेशक डॉ. विजय कुमार ने कहा कि अभी तक उनके रिकार्ड में 54 लोगों की मौत की सूचना है, लेकिन यह संख्या अधिक हो सकती है। बहरहाल, ये अस्पतालों में होने वाली मौत के आंकड़े हैं।

महामारी की तरह हुआ हमला : लू के कहर ने यहां महामारी का रूप ले लिया है। लगभग सभी मरीजों के प्रारंभिक लक्षण यही हैं कि अचानक चक्कर आया और बुखार 105 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच गया। डॉ. विजय कुमार ने इसे हीटस्ट्रोक (लू) ही बताया है। उन्होंने कहा कि लू की ही दवा दी जा रही है और कम प्रभावित मरीज ठीक भी हो रहे हैं। वहीं, मगध प्रमंडल के आयुक्त पंकज कुमार पॉल ने हेलीकाप्टर से नवादा और औरंगाबाद का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। पूरे प्रमंडल में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। दूसरी ओर, रविवार को शाहाबाद क्षेत्र में भभुआ और सासाराम से भी लू से मौत की सूचना आई है। भभुआ में दो और सासाराम में 11 की मौत की पुष्टि स्थानीय मुखिया व चिकित्सकों ने की है। जिला मुख्यालय अभी पुष्टि नहीं कर रहा है।

बिहार में लू से प्रभावितों की बढ़ती संख्या की वजह से मगध मेडिकल कॉलेज के मेन गेट के हॉल में ही मरीजों के लिए बेड की व्यवस्था की गई है। जागरण

गर्म हवाओं से लोगों को अभी नहीं मिलेगी निजात

जागरण संवाददाता, पटना : मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को भी पटना, गया, औरंगाबाद, नालंदा, राजगीर, मुजफ्फरपुर, छपरा और मोतिहारी लू की चपेट में रहेंगे। हालांकि राज्य में 18 जून को तेज हवा के साथ कुछ जगहों पर बूंदाबांदी की संभावना है। पटना, छपरा और मुजफ्फरपुर 18 जून तक लू की चपेट में रहेंगे। औरंगाबाद, गया, नालंदा और राजगीर सोमवार तक लू की चपेट में रहेंगे। पटना में रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 9 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। सामान्यतः अधिकतम तापमान 36 डिग्री होना चाहिए, लेकिन यह 45 डिग्री पर पहुंच गया था।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर पीएम करेंगे विपक्ष से चर्चा

नई दिल्ली में रविवार को लोकसभा सत्र शुरू होने से एक दिन पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। साथ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय और अन्य नेता। प्रेट्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने अपने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मुद्दे को आगे बढ़ाने और इसमें विपक्ष समेत सभी पक्षों को शामिल करने के लिए बैठक बुलाई है। इस मुद्दे पर सभी दलों के अध्यक्षों के साथ 19 जून को चर्चा होगी। सोमवार से शुरू हो रहे 17वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र की पूर्व संध्या पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। संसद के इस सत्र में तीन तलाक समेत कई अहम बिल सरकार ला सकती है।

सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने बताया कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मसले पर चर्चा के लिए 19 जून की बैठक के लिए उन्होंने सभी राजनीति दलों को पत्र लिखकर आमंत्रित किया है। इस बैठक में वर्ष 2022 में भारत की आजादी के 75वें साल और महात्मा गांधी की 150वीं जयंती वर्ष की तैयारियों पर भी चर्चा होगी। 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे को भाजपा पहले से ही जोर-शोर से उठाती रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार सार्वजनिक मंचों से कई बार इस मुद्दे को उठा चुके हैं।

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि 20 जून को प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्यों को डिनर पर आमंत्रित किया है। प्रधानमंत्री सांसदों के साथ सभी मुद्दों पर खुलकर बातचीत करना चाहते हैं। इसके लिए सभी सांसदों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी दलों के प्रतिनिधियों से जनहित में काम करने की अपील की। संसद के दोनों सदनों के सुचारू संचालन के लिए सरकार ने विपक्ष से सहयोग मांगा है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2022 तक नए भारत के निर्माण के लिए सभी दलों से मिलकर काम करने की अपील भी की है।

सर्वदलीय बैठक के बाद पीएम मोदी ने भी ट्वीट किया, 'हमने आज लाभप्रद सर्वदलीय बैठक की, जो चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद पहली और संसद सत्र के शुरू होने से पहले पहली बैठक थी। मूल्यवान सुझावों के लिए सभी सदस्यों का आभारी हूं। हम सभी संसद के सुचारू संचालन को लेकर सहमत हैं, ताकि लोगों की उम्मीदों को पूरा कर सकें।'

26 जुलाई तक चलेगा संसद सत्र: संसद का बजट सत्र 26 जुलाई तक चलेगा। पहले दो दिन 17 और 18 जून को लोकसभा के निर्वाचित सभी सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। इसके लिए प्रोटेम स्पीकर के रूप में डॉ. वीरेंद्र कुमार का चयन कर लिया गया है। 19 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 20 को राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगे। पांच जुलाई को सरकार अपना पूर्ण बजट पेश करेगी।

सर्वदलीय बैठक

- 19 जून की बैठक के लिए संसद सदस्यों वाले सभी दलों के अध्यक्षों को भेजा गया न्योता
- प्रधानमंत्री ने सभी दलों से सहयोग की अपील की, आज से शुरू हो रहा है संसद का बजट सत्र

पहले होते रहे एक साथ चुनाव

- 1952 में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए गए, 1957, 1962, 1967 तक यह प्रक्रिया जारी रही।
- क्षेत्रीय दलों के उभार से बिगड़ा संतुलन। 1971 में इंदिरा गांधी ने लोस का मध्यावधि चुनाव कराया।
- 1980, 1991, 1998, 1999 में लोस को पहले ही भंग कर दिया गया।
- 1971 और 1984 में कांग्रेस ने लोस को एक साल पहले ही भंग कर दिया।
- 1999 में विधि आयोग ने भी पांच साल में एक साथ चुनाव की सलाह दी।

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 4

हरियाणा में एससी आरक्षण के लिए बनेंगी दो श्रेणियां

जींद : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने रविवार को अनुसूचित जाति समाज के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा, अगले साल से शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले के समय एससी की ए व बी कैटेगरी बनाई जाएंगी। इसके लिए एक्ट बनाने पर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 5

डॉक्टरों के समर्थन में आइएमए की देशव्यापी हड़ताल आज

नई दिल्ली : कोलकाता में डॉक्टरों से मारपीट के बाद देशभर के डॉक्टर लामबंद हो गए हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने सोमवार को देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है।

क्रिकेट महाकुंभ

बांग्लादेश vs वेस्टइंडीज

दोपहर 3:00 बजे से

स्थान : टांटन

स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

एफएटीएफ के सामने फिर फंसा पाक

नई दिल्ली, प्रेट्र : पाकिस्तान एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकी फंडिंग पर नजर रखने वाली संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के सामने फंस गया है। एफएटीएफ ने कहा है कि उसकी तरफ से दिए गए 27 में से 25 मानकों पर पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मुहम्मद (जेईएम) जैसे आतंकी संगठनों और जमात-उद-दावा (जेयूडी) और फलह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआइएफ) जैसे उनके मुखौटा संगठनों को वित्तीय मदद रोकने के लिए कार्रवाई करने में विफल रहा है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की इस कार्रवाई ने पाकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, क्योंकि इस कार्रवाई के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ), विश्व बैंक(डब्ल्यूबी) और यूरोपीय संघ(ईयू) जैसे संस्थान भी पाकिस्तान को डाउनग्रेड करेंगे, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति और खराब होने की संभावना है। पेरिस स्थित एफएटीएफ ने पाकिस्तान से यह पूछा है कि क्या उसने लश्कर ए तोइबा, जैश-ए-मुहम्मद, जमात उद दावा और फलह-ए-इंसानियत फाउंडेशन जैसे आतंकी संगठनों द्वारा संचालित स्कूलों, मदरसों, क्लीनिक और एंबुलेंस के लिए आवंटित 70 लाख डॉलर (लगभग चार हजार आठ सौ करोड़ रुपये) की कोई जांच शुरू कराई है। उल्लेखीय है कि भारत के प्रयासों का ही नतीजा है कि अब दुनिया इस बात को मानने लगी है कि पाकिस्तान ही दहशतगर्दी का सबसे बड़ा पोषक है। वह ही इस्लाम के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहा है।

- 27 में से 25 मानकों पर कार्रवाई करने में फेल
- आइएमएफ और विश्व बैंक जैसे संस्थान कर सकते हैं डाउनग्रेड

भारत अभी पाकिस्तान से बातचीत के लिए तैयार नहीं होगा पेज>>3

ग्रे सूची में है पाकिस्तान

एफएटीएफ ने पाकिस्तान को जून 2018 में अपनी ग्रे सूची में डाला था और उसे 27 बिंदुओं पर कार्रवाई करने को कहा था। अक्टूबर, 2018 में आखिरी प्लेनरी में इस योजना की समीक्षा की गई। इस साल फरवरी में दूसरी बार, भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों के बारे में नई जानकारी प्रस्तुत करने के बाद पाकिस्तान को फिर से ग्रे सूची में डाल दिया गया। एफएटीएफ के पाकिस्तान को ग्रे सूची में जारी रखने का मतलब आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक, एडीबी, ईयू द्वारा डाउनग्रेड करना और मूडीज, एसएंडपी और फिच द्वारा जोखिम रेटिंग में कमी करना है।

स्विस बैंक खाताधारकों पर शिकंजा कसा, 50 भारतीयों को नोटिस

नई दिल्ली, प्रेट्र : स्विस अधिकारियों ने कम से कम 50 भारतीयों के स्विटजरलैंड के बैंकों में खाते की जानकारी साझा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दोनों देशों की नियामक एवं प्रवर्तन एजेंसियों ने गैरकानूनी धन जमा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ नकेल कसना शुरू कर दिया है। ऐसे लोगों में ज्यादातर जमीन-जायदाद, वित्तीय सेवा, प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, पेंट, इंटीरियर डेकोरेशन, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान और रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के कारोबार से जुड़े कारोबारी और कंपनियां शामिल हैं। इनमें से कुछ डमी कंपनियां भी हो सकती हैं। दोनों देशों के बीच आपसी प्रशासनिक सहायता की प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। स्विटजरलैंड ने कालाधन की पनाहगाह की छवि सुधारने के लिए कुछ वर्षों में कई सुधार किए हैं। यह मुद्दा भारत सहित कई देशों में राजनीतिक रूप से संवेदनशील है। (पेज-10)

मौसम की बेरुखी

चक्रवात वायु के कारण पड़ा विपरीत असर, उत्तर भारत में दो-तीन दिन में दस्तक दे सकता है मानसून, देश की कृषि काफी हद तक मानसून पर निर्भर रहती है

देश भर में मानसून की वर्षा में 43 फीसद की कमी

नई दिल्ली,प्रेट्र : मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में कुल मिलाकर मानसून की बारिश में 43 फीसद की कमी दर्ज की गई है। इसके साथ ही विभाग ने कहा कि चक्रवात वायु के कमजोर पड़ने के कारण मानसून उत्तर भारत में दो-तीन दिन में दस्तक दे सकता है।

मौसम विभाग के सेंट्रल डिवीजन के मुताबिक मध्य प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा में 59 फीसद बारिश में कमी दर्ज की गई जबकि पूर्वी तथा उत्तरपूर्वी भारत में वर्षा में 47 फीसद की कमी दर्ज की गई। पश्चिमी क्षेत्र, पूर्वी मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में यह कमी क्रमशः 75, 70 और 72 फीसद रही। विदर्भ में 87 प्रतिशत तक बारिश में कमी दर्ज की गई।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अब तक मानसून को मध्य भारत के अधिकांश भागों- मध्य प्रदेश, राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा गुजरात तक पहुंच जाना चाहिए था, लेकिन यह अभी महाराष्ट्र तक भी नहीं पहुंचा है। मानसून अभी तक दक्षिण भारत के मेंगलुरु तथा उसके आसपास के इलाकों के साथ-साथ उत्तर पूर्वी भारत के अगरतला तक ही सीमित है।

मौसम विभाग के मुताबिक देश के पश्चिमी तट महाराष्ट्र से लेकर गुजरात तक चक्रवात के कारण बारिश हो रही है। मानसून के कारण केवल तटीय कर्नाटक तथा केरल में ही वर्षा हो रही है। केरल में आठ जून को मानसून आया था जो अपने समय से एक सप्ताह की देरी से पहुंचा था।

मौसम विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक देवेंद्र प्रधान ने कहा कि चक्रवात वायु के कारण मानसून कमजोर पड़ गया था। अब हमें उम्मीद है कि यह दो से तीन दिन के अंदर फिर मजबूती पकड़ेगा।

बारिश के लिए आसमान को ताकता किसान। फाइल

तेलंगाना में 20 और आंध्र प्रदेश में 18 जून को पहुंचेगा मानसून : मौसम विभाग के मुताबिक तेलंगाना में 20 जून के आसपास और आंध्र प्रदेश में 18 जून को मानसून दस्तक दे सकता है। चक्रवात वायु के कारण मानसून के यहां पहुंचने में विलंब हुआ है।

उत्तराखंड में आज आकाशीय बिजली की चेतावनी : मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि सोमवार को उत्तराखंड में ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिर सकती है। आंधी और तेज हवाओं की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रति घंटे की हो सकती है। विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, ओडिशा, पश्चिम बंगाल तथा पूर्वी राजस्थान, झारखंड तथा बिहार में भी बिजली गिरने तथा 40 से 50 किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल, सिक्किम तथा गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसके साथ ही विभाग ने अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, कोंकण, गोवा, कर्नाटक, अंडमान निकोबार एवं उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

मानसून से तय होगी शेयर बाजार की चाल पेज>>10

विदेश से मिले धन से ऐश करते हैं अलगाववादी

नई दिल्ली, प्रेट्र/आइएएनएस : कश्मीर में युवाओं को भड़काकर घाटी का चैन छीनने वाले अलगववादी नेता खुद विदेश से मिले धन से ऐशो-आराम और सुख-चैन की जिंदगी जीते हैं। उन्होंने न सिर्फ उस धन से निजी संपत्ति बनाई है, बल्कि अपने बच्चों को विदेशों में भेजकर ऊंची तालीम भी दिला रहे हैं। अलगाववादियों से पूछताछ के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने यह जानकारी दी है।

कश्मीर घाटी में युवाओं को भड़काने, आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप में एनआइए ने अलगाववादी नेता शब्बीर शाह, यासिन मलिक, आसिया अंद्राबी, पत्थरबाजों के पोस्टर बॉय मसरत आलम और हवाला एजेंट जहूर वटाली को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के आला अधिकारियों के मुताबिक मुस्लिम लीग का नेता मसरत आलम ने पूछताछ में बताया कि हवाला एजेंटों के जरिए पाकिस्तान से हुर्रियत कांफ्रेंस के चेयरमैन सैयद शाह गिलानी समेत अलगाववादी नेताओं को धन मिलता है। यही कारण है कि गिलानी समेत अलगाववादी नेता जम्मू-कश्मीर का पाकिस्तान में विलय की वकालत करते हैं। मसरत के मुताबिक विदेश से धन एकत्र करने और उसके इस्तेमाल को लेकर हुर्रियत कांफ्रेंस में दरार भी है।

एनआइए की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा है कि विदेश से मिले धन से आसिया आंद्राबी कश्मीर घाटी में मुस्लिम महिलाओं के जरिए विरोध प्रदर्शनों का आयोजन करती थी। यही नहीं, आसिया ने वटाली से मिले धन से अपने बेटे मोहम्मद बिन कासिम को मलयेशिया के एक विश्वविद्यालय में दाखिला भी कराया है।

अब सुरक्षा एजेंसी ने कासिम के बैंक खातों के बारे में पता लगाने के लिए संबंधित विभाग से संपर्क किया है। अलगाववादी और कट्टरपंथी नेता शब्बीर शाह ने हवाला के जरिए विदेश से मिले धन से पहलगाम में अपने लिए होटल खोल लिया। जम्मू, श्रीनगर और अनंतनाग भी निजी संपत्ति बनाई है। हवाला के जरिए धन लेकर घाटी में अशांति पैदा करने के मामले में एनआइए ने मई, 2017 में जमात-उद-दावा, दुख्तरान-ए-मिलत, लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिद्दीन और अलगाववादी नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया था।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के मुताबिक जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के नेता यासिन मलिक ने पूछताछ में इस बात को स्वीकार किया है कि उसने हुर्रियत कांफ्रेंस के विभिन्न धड़ों को साथ लाकर ज्वाइंट रेसिस्टेंट लीडरशिप (जेआरएल) का गठन किया है। यही समूह 2016 से कश्मीर घाटी में विरोध प्रदर्शन कर बंद कराता रहा है। इतना ही नहीं मलिक ने यह भी बताया कि जेआरएल और हुर्रियत कांफ्रेंस विदेशों से धन लेकर कश्मीर घाटी में बंद और हिंसक विरोध प्रदर्शनों का आयोजन करते हैं। इस काम को अंजाम तक पहुंचाने के लिए घाटी के युवाओं और कम उम्र के बच्चों को पैसों और अन्य चीजों का लालच देकर हथियार बनाया जाता है।

- शब्बीर शाह ने पहलगाम में होटल खोला, अंद्राबी ने बेटे को पढ़ने विदेश भेजा
- हुर्रियत कांफ्रेंस में विदेश से धन एकत्र करने और उसके उपयोग को लेकर दरार